Answer-no-9

कूलिंग टावर :- रेफ्रीजिरेशन प्रक्रिया मे रेफ्रीजिरैन्ट द्रव ठण्डी करने वाली वस्तु या स्थान से ताप लेकर वाष्प बन जाता है इस वाष्प का पुनः प्रयोग करने के लिए आवश्यक है कि वाष्प का तापमान कम किया जाये जिससे वाष्प द्रव मे परिवर्तित हो जाये और उसे पुनः प्रयोग मे लाया जा सके द्रव मे परिवर्तन करने के लिए ठण्डे पानी की आवश्यकता होती है कन्डेन्सर के वाष्प रेफ्रीजेन्ट को द्रव मे परिवर्तन करने मे ठण्डा पानी गर्म हो जाता है इस गर्म पानी को ठण्डा करने के लिए भिन्न-२ उपाय किये जाते है

कूलिंग टावर के प्रकार

ये दो प्रकार के होते है

(i) प्राकृतिक ड्राफ्ट कूलिंग टावर

(ii) यांत्रिक ड्राफ्ट कूलिंग टावर